

## यूपी के 35 फीसदी वधायकों पर आपराधिक मामले: एडीआर रपिर्ट

### चर्चा में क्यों?

23 नवंबर, 2021 को उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रफॉर्म (एडीआर) द्वारा विधानसभा के 403 मौजूदा वधायकों में से 396 के वित्तीय, आपराधिक और अन्य विवरणों का विश्लेषण करने के बाद प्रेस वजिजपत्त जारी की गई। इसके अनुसार इन वधायकों में से लगभग 35 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 79 प्रतिशत करोड़पति हैं।

### प्रमुख बिंदु

- विश्लेषण 2017 के विधानसभा चुनावों और उसके बाद हुए उपचुनावों में उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत हलफनामों पर आधारित है।
- एडीआर के अनुसार, यह पाया गया कि विधानसभा के 396 वधायकों में से 140 या 35 फीसदी वधायकों पर आपराधिक मामले हैं और 106 या 27 फीसदी वधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं।
- पार्टीवार भाजपा के 304 वधायकों में से 106, सपा के 49 वधायकों में से 18 और बसपा के 18 में से 2 तथा कांग्रेस के 1 वधायक पर आपराधिक मामले लंबित हैं।
- रपिर्ट में आगे कहा गया है कि विधानसभा के 396 वधायकों में से 313 या 79 प्रतिशत करोड़पति हैं।
- भाजपा के पास 77 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक करोड़पति वधायक (304 में से 235) हैं, जबकि समाजवादी पार्टी के 49 (86 प्रतिशत) वधायकों में से 42 करोड़पति हैं। इसके अलावा बसपा के 16 में से 15 वधायक तथा कांग्रेस के सात वधायकों में से पाँच करोड़पति हैं।
- वधायकों की औसत संपत्ति 5.85 करोड़ रुपए थी। मुख्य दलों में भाजपा के 304 वधायकों की औसत संपत्ति 5.04 करोड़ रुपए, समाजवादी पार्टी के 49 वधायकों की 6.07 करोड़ रुपए, बसपा के 16 वधायकों की 19.27 करोड़ रुपए और कांग्रेस के 7 वधायकों की औसत संपत्ति 10.06 करोड़ रुपए है।
- मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्र से बसपा वधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली कुल 118 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ करोड़पति वधायकों की सूची में सबसे ऊपर हैं। इसके बाद चलिपार विधानसभा सीट से बसपा के वनियशंकर तिवारी 67 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं।
- 396 वधायकों में से 95 ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 8वीं से 12वीं पास, 290 वधायकों ने खुद को स्नातक या इससे ऊपर घोषित किया है, 4 वधायक अनपढ़ हैं और 5 वधायक डिप्लोमाधारक हैं।
- इसके अलावा 206 वधायकों की उम्र 25 से 50 साल के बीच और 190 वधायकों की उम्र 51 से 80 साल के बीच है।